वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 20.11.2025 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर"अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, ज्ञानशिखा टाइम्स," समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला–दि0 20.11.2025

पर्यावरणीय पर्यटन के लिहाज से विकसित होंगे शहर के 3 तालाब

वीडीए उपाध्यक्ष ने धार्मिक तालाबों का किया निरीक्षण, सुंदरीकरण भी कराया जाएगा

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने बुधवार को तीन धार्मिक तालाबों का निरीक्षण किया। इन्हें पर्यावरणीय पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जाएगा। तालाबों का पारिस्थितिक पुनरुत्थान और सुंदरीकरण कराया जाएगा। कर्दमेश्वर महादेव मंदिर के अप स्ट्रीम तालाब, कंदवा तालाब, कंचनपुर तालाब विकसित होंगे।

यहां जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा दिया जाएगा। अधिकारियों के साथ प्रस्तावित विकास कार्यों की तकनीकी आवश्यकताओं, स्थल की स्वाभाविक संरचना का परीक्षण किया। निर्देश दिया कि सभी कार्य पर्यावरण सिद्धांतों के अनुरूप किए जाएं। ताकि तालाब अपने मूल और प्राकृतिक स्वरूप में पुनर्जीवित हो सकें। कहा कि जल निकायों के पुनरुद्धार के दौरान जल-धाराओं, भूजल रिचार्ज प्रणाली, जैव विविधता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि इनका संरक्षण और संवर्धन हो सके। वीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि परियोजना पूर्ण होने पर ये तालाब न केवल पर्यावरणीय रूप से सशक्त होंगे, बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए आकर्षक, शांतिपूर्ण और जन-उपयोगी होंगे।

उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की उच्च गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने को कहा। इसका मुख्य उद्देश्य तालाबों की पारिस्थितिक क्षमता को पुनर्स्थापित करना, जल गुणवत्ता में सुधार लाना और क्षेत्रों को सुरक्षित, स्वच्छ और सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है।

तालाबों का अनुमानित क्षेत्रफल

कर्दमेश्वर अप स्ट्रीम तालाब
3000-3500

कंदवा तालाब
2500-3000

कंचनपुर तालाब
2000-2500

सभी आकड़े वर्गमीटर में...

ये होंगे कार्य

डिसिल्टिंग, तलछट की सफाई, कचरा निष्कासन, जल निकासी तंत्र को सुव्यवस्थित करने जैसे प्रारंभिक कार्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएंगे, ताकि तालाबों की जल धारण क्षमता में वृद्धि हो सके। साथ ही, कैचमेंट क्षेत्र में अनियमित जल प्रवाह व बाहरी प्रदूषण को रोकने के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण, आवश्यक संरचनात्मक सुधार करने के निर्देश दिए।

विशेषताएं

- नालों से आने वाले प्रदूषकों की रोकथाम के लिए प्राकृतिक फिल्टर बेड और फ्लोटिंग वेटलैंड्स
- इन-सीटू जल उपचार तकनीकों से जल गुणवत्ता सुधार
- भू-जल और प्राकृतिक जलधारा कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना
- हार्डस्केप–सॉफ्टस्केप, पथ, लाइटिंग और जन-सुविधा विकास

दैनिक जागरण–दि0 20.11.2025

कर्दमेश्वर, कंदवा व कंचनपुर तालाब का होगा सुंदरीकरण

क्षेत्र के स्थानीय लोगों को मिलेगा सुरक्षित, स्वच्छ एवं सौंदर्यपरक सार्वजनिक स्थल

जागरण संवाददाता, वाराणसी : विकास प्राधिकरण ने तालाबों का पारिस्थितिक पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण परियोजना के अंतर्गत तीन पौराणिक तालाबों कर्दमेश्वर महादेव मंदिर के अपस्ट्रीम स्थित तालाब, कंदवा तालाब और कंचनपुर तालाब के सौंदर्यीकरण की योजना बनाई है। यह परियोजना जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन व शहरी सौंदर्यीकरण के लिए महत्वपूर्ण है।

परियोजना के लिए तैयारी के लिए वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने तालाबों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रस्तावित विकास कार्यों की व्यवहार्यता, तकनीकी जरूरत तथा स्थल की स्वाभाविक संरचना का सूक्ष्म परीक्षण किया। निर्देश दिया कि सभी कार्य नेचर-बेस्ड साल्यूशंस के सिद्धांतों के अनुरूप किए जाएं जिससे तालाब अपने मूल, प्राकृतिक स्वरूप में पुनर्जीवित हो सकें। पुनरुद्धार में स्थानीय जल-धाराओं, भू-जल रिचार्ज प्रणाली व जैव विविधता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि इनका संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित हो सके। निर्देश दिया कि डिसिल्टिंग, कचरा निष्कासन तथा जल निकासी तंत्र को सुव्यवस्थित करने जैसे प्रारंभिक कार्य समयबद्ध रूप से पूरे हों। कैचमेंट क्षेत्र में अनियमित जल प्रवाह व बाहरी प्रदूषण को रोकने के लिए वैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं आवश्यक संरचनात्मक सुधार करने के निर्देश दिए। जल गुणवत्ता में सुधार लाना तथा इन क्षेत्रों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सौंदर्यपरक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है। परियोजना पूर्ण होने पर ये तालाब स्थानीय नागरिकों के लिए आकर्षक, शांतिपूर्ण एवं जन-उपयोगी स्थल के रूप में विकसित होंगे।

विकास कार्यों को लेकर बुधवार को तालाब का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश देते विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा (सबसे दाएं) व अन्य • प्राधिकरण

पुनरुद्धार के दौरान स्थानीय जल-धाराओं, भू-जल रिचार्ज प्रणाली व जैव विविधता पर दिया जाए विशेष ध्यान

तालाबों का अनुमानित क्षेत्रफल

- कर्दमेश्वर अपस्ट्रीम तालाब – 3000–3500 वर्गमीटर
- कंदवा तालाब – 2500–3000 वर्गमीटर
- कंचनपुर तालाब – 2000–2500 वर्गमीटर

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं

- डिसिल्टिंग, डी-वीडिंग एवं सिल्ट ट्रैप निर्माण
- नालों से आने वाले प्रदूषकों की रोकथाम के लिए प्राकृतिक फिल्टर बेड व फ्लोटिंग वेटलैंड्स
- इन-सीटू जल उपचार तकनीकों से जल गुणवत्ता सुधार
- भू-जल एवं प्राकृतिक जलधारा कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना
- हार्डस्केप–साफ्टस्केप, पथ, लाइटिंग एवं जन-सुविधा विकास।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

हिन्दुस्तान–दि0 20.11.2025

काशी के 3 तालाबों का मूल स्वरूप लौटाया जाएगा

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। तालाबों के पारिस्थितिक पुनरुत्थान एवं सुंदरीकरण परियोजना के अंतर्गत बुधवार को वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने तीन तालाबों का निरीक्षण किया। कंदवा, कर्दमेश्वर, कंचनपुर तालाब के निरीक्षण के दौरान उन्होंने इन्हें मूल, प्राकृतिक स्वरूप में पुनर्जीवित कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने जल-धाराओं, भूजल रीचार्ज प्रणाली एवं जैव विविधता पर विशेष ध्यान देने को कहा। कर्दमेश्वर तालाब 3500 वर्गमीटर, कंदवा 3000 वर्गमीटर और कंचनपुर करीब 2500 वर्गमीटर क्षेत्र में है। पूर्ण बोरा ने कहा यह परियोजना शहर में जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन तथा सुंदरीकरण के लिए अहम है।

ज्ञानशिखा टाइम्स–दि0 20.11.2025

उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने तालाब पुनरुत्थान कार्यों का किया निरीक्षण

वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित तालाबों का पारिस्थितिक पुनरुत्थान एवं सौंदर्यीकरण परियोजना के अंतर्गत दिनांक 19 नवम्बर 2025 को उपाध्यक्ष श्री पूर्ण बोरा द्वारा तीन महत्वपूर्ण तालाबों—कर्दमेश्वर महादेव मंदिर के अपस्ट्रीम स्थित तालाब, कंदवा तालाब तथा कंचनपुर तालाब—का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह परियोजना शहर में जल संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन तथा शहरी सुंदरीकरण को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है।निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों के साथ प्रस्तावित विकास कार्यों की व्यवहार्यता, तकनीकी आवश्यकताओं तथा स्थल की स्वाभाविक संरचना का सूक्ष्म परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्य नेचर-बेस्ड सॉल्यूशंस के सिद्धांतों के अनुरूप किए जाएँ, जिससे तालाब अपने मूल, प्राकृतिक स्वरूप में पुनर्जीवित हो सकें। उन्होंने कहा कि जल निकायों के पुनरुद्धार के दौरान स्थानीय जल-धाराओं, भू-जल रिचार्ज प्रणाली एवं जैव विविधता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि इनका संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित हो सके। तालाबों

का अनुमानित क्षेत्रफल कर्दमेश्वर अपस्ट्रीम तालाब - 3000-3500 वर्गमीटरकंदवा तालाब - 2500-3000 वर्गमीटरकंचनपुर तालाब - 2000-2500 वर्गमीटर उपाध्यक्ष ने निर्देश दिया कि डिसिल्टिंग, डी-वीडिंग, तलछट साफ़ करने, कचरा निष्कासन तथा जल निकासी तंत्र को सुव्यवस्थित करने जैसे प्रारम्भिक कार्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएँ, ताकि तालाबों की जल धारण क्षमता में वृद्धि हो सके। साथ ही, कैचमेंट क्षेत्र में अनियमित जल प्रवाह व बाहरी प्रदूषण को रोकने हेतु वैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं आवश्यक संरचनात्मक सुधार करने के निर्देश दिए।डिसिल्टिंग, डी-वीडिंग एवं सिल्ट ट्रैप निर्माणनालों से आने वाले प्रदूषकों की रोकथाम हेतु प्राकृतिक फ़िल्टर बेड एवं फ्लोटिंग वेटलैंड्सइन-सीटू जल उपचार तकनीकों से जल गुणवत्ता सुधारभू-जल एवं प्राकृतिक जलधारा कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करनाहार्डस्केप-सॉफ्टस्केप, पथ, लाइटिंग एवं जन-सुविधा विकासपरियोजना का मुख्य उद्देश्य तालाबों की पारिस्थितिक क्षमता को पुनर्स्थापित करना, जल गुणवत्ता में सुधार लाना तथा इन क्षेत्रों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सौंदर्यपरक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है। उपाध्यक्ष श्री पूर्ण बोरा ने कहा कि परियोजना पूर्ण होने पर ये तालाब न केवल पर्यावरणीय रूप से सशक्त होंगे, बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए आकर्षक, शांतिपूर्ण एवं जन-उपयोगी स्थल के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने समस्त अधिकारियों को कार्यों को उच्च गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।